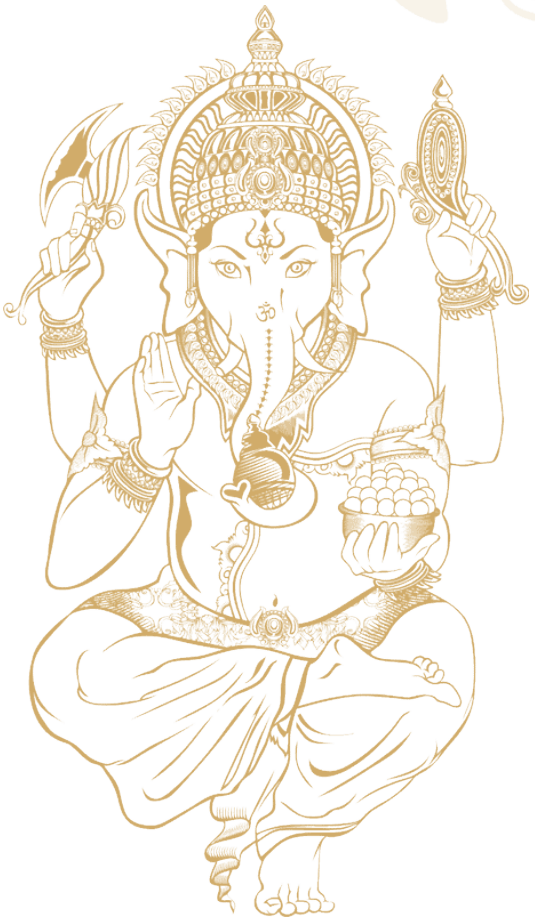

Utsav

29 Aug 2005

10:30 PM

Anand

Model: web-freekundliweb

Order No: 121911604

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**29/08/2005**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**22:30:00 घंटे**
इष्ट	40:25:57 घटी
स्थान	**Anand**
राज्य	Gujarat
देश	India

अक्षांश	22:34:00 उत्तर
रेखांश	73:01:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:52:04 घंटे
वेलान्तर	-00:00:57 घंटे
साम्पातिक काल	20:24:04 घंटे
सूर्योदय	06:19:37 घंटे
सूर्यास्त	18:57:39 घंटे
दिनमान	12:38:02 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	12:30:31 सिंह
लग्न के अंश	21:36:58 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	सिद्धि
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सिंह
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	छ-छत्रपति
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	21:36:58	416:33:16	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			सिंह	12:30:31	00:58:00	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मूलत्रिकोण
चंद्र			मिथु	17:06:36	11:57:42	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			मेष	22:18:05	00:23:31	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	स्वराशि
बुध			कर्क	25:46:21	01:31:05	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
गुरु			कन्या	24:08:35	00:11:10	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	20:55:11	01:10:30	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	नीच राशि
शनि			कर्क	11:37:40	00:07:02	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	20:24:43	00:04:59	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	20:24:43	00:04:59	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	14:56:41	00:02:24	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	---
नेप	व		मक	21:42:40	00:01:30	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	27:53:35	00:00:07	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			मक	09:45:57	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:06

लग्न-चलित

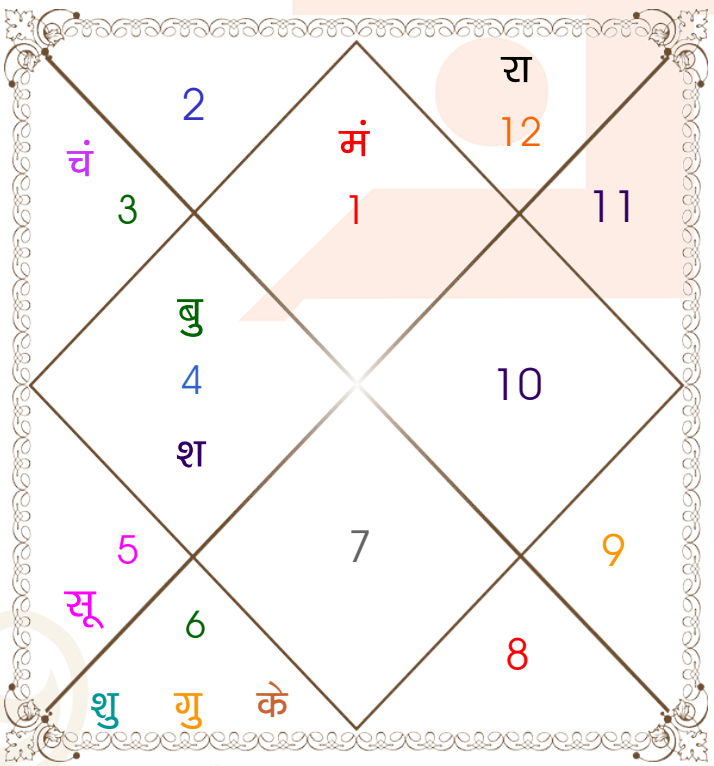

चन्द्र कुंडली

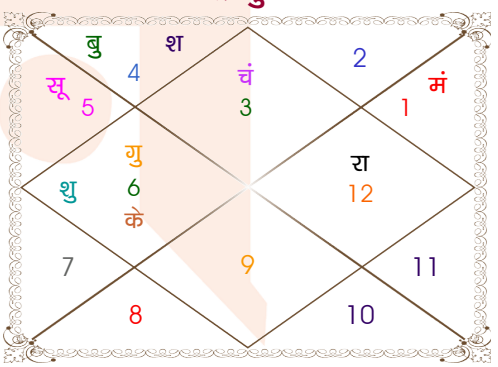

नवमांश कुंडली

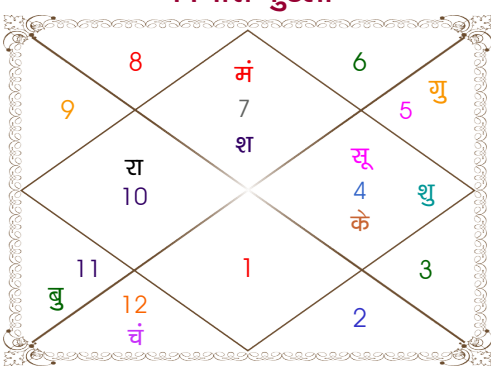

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 3 वर्ष 10 मास 24 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
29/08/2005		24/07/2009		24/07/2025		24/07/2044		24/07/2061	
24/07/2009		24/07/2025		24/07/2044		24/07/2061		24/07/2068	
	00/00/0000	गुरु	12/09/2011	शनि	27/07/2028	बुध	21/12/2046	केतु	21/12/2061
	00/00/0000	शनि	25/03/2014	बुध	06/04/2031	केतु	18/12/2047	शुक्र	20/02/2063
	00/00/0000	बुध	30/06/2016	केतु	15/05/2032	शुक्र	18/10/2050	सूर्य	28/06/2063
	00/00/0000	केतु	06/06/2017	शुक्र	16/07/2035	सूर्य	24/08/2051	चंद्र	27/01/2064
	29/08/2005	शुक्र	05/02/2020	सूर्य	27/06/2036	चंद्र	23/01/2053	मंगल	24/06/2064
शुक्र	10/02/2006	सूर्य	23/11/2020	चंद्र	26/01/2038	मंगल	20/01/2054	राहु	12/07/2065
सूर्य	05/01/2007	चंद्र	25/03/2022	मंगल	07/03/2039	राहु	08/08/2056	गुरु	18/06/2066
चंद्र	06/07/2008	मंगल	01/03/2023	राहु	11/01/2042	गुरु	14/11/2058	शनि	28/07/2067
मंगल	24/07/2009	राहु	24/07/2025	गुरु	24/07/2044	शनि	24/07/2061	बुध	24/07/2068

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
24/07/2068		24/07/2088		25/07/2094		25/07/2104		26/07/2111	
24/07/2088		25/07/2094		25/07/2104		26/07/2111		00/00/0000	
शुक्र	24/11/2071	सूर्य	11/11/2088	चंद्र	25/05/2095	मंगल	21/12/2104	राहु	07/04/2114
सूर्य	23/11/2072	चंद्र	12/05/2089	मंगल	24/12/2095	राहु	09/01/2106	गुरु	31/08/2116
चंद्र	25/07/2074	मंगल	17/09/2089	राहु	24/06/2097	गुरु	16/12/2106	शनि	08/07/2119
मंगल	24/09/2075	राहु	12/08/2090	गुरु	24/10/2098	शनि	25/01/2108	बुध	24/01/2122
राहु	24/09/2078	गुरु	31/05/2091	शनि	25/05/2100	बुध	21/01/2109	केतु	12/02/2123
गुरु	25/05/2081	शनि	12/05/2092	बुध	25/10/2101	केतु	19/06/2109	शुक्र	30/08/2125
शनि	24/07/2084	बुध	19/03/2093	केतु	26/05/2102	शुक्र	19/08/2110		00/00/0000
बुध	25/05/2087	केतु	24/07/2093	शुक्र	25/01/2104	सूर्य	25/12/2110		00/00/0000
केतु	24/07/2088	शुक्र	25/07/2094	सूर्य	25/07/2104	चंद्र	26/07/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 3 वर्ष 11 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकते हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने का सघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्त्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगे। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगे।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगे। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करते है। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है। आपको एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगे तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगे। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपके क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेते हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपना संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगे। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आशक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगे। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन संबंध

का निर्वाह करोगे वह संबंध किसी खास यौन रोग के उत्पत्ति का कारक होगा। अतः सावधानी पूर्वक कुछ समय हेतु किसी नारी के साथ भ्रमण सैर सपाटा कर लें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य संतुष्टि प्रदान नही करेगा।

आप शरीर से दुबले-पतले परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगे। आपकी ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंह्न बन जाए, आपको सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को उलंघन पार करें।

आप सदैव ही आपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नही मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नही करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्तता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए साथ ही लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन मे अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।